Dainik Bhaskar (Indore), 21st May 2024, Page-02

जेईई एडवांस्ड | 26 को परीक्षा, मेन्स क्लीयर करने वाले 2.5 लाख में से 1.91 लाख ने ही कराया रजिस्ट्रेशन

7 हजार रैंक तक मिलेंगे इंदौर सहित टॉप सात आईआईटी, सब्जेक्टवाइज कटऑफ भी जरूरी

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

जेईई मेन्स क्लीयर करने वाले ज्यादातर स्टूडेंट्स 26 मई को होने वाली एडवांस्ड की तैयारी में जुटे हैं। एक ही दिन में दो पेपर होने से ये पड़ाव और ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहेगा। 7 हजार तक रैंक वालों को टॉप आईआईटीज मिलने की संभावना है। इंदौर के आईआईटी की बात करें तो यहां भी 7 हजार रैंक पर प्रवेश मिल जाएगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार मेन और एडवांस्ड के बीच सबसे बड़ा अंतर माइंड गेम का है। स्ट्रेस कंट्रोल रखते हुए भी स्टूडेंट अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

23 आईआईटी
17385 सीट

2.5 लाख स्टूडेंट्स एडवांस्ड के लिए क्वालिफाई हुए थे, इनमें से 1.91 लाख ने ही फॉर्म भरे। इनके बीच अब 23 आईआईटी की 17 हजार से ज्यादा सीटों के लिए मुकाबला है। हर बार एडवांस के लिए आवेदन करने वालों की तुलना में अधिक स्टूडेंट आईआईटी जाने में सफल होते हैं। वजह, कई स्टूडेंट एडवांस्ड की परीक्षा ही नहीं देते, जबकि कुछ पहला पेपर देकर ही हार मान जाते हैं।

आईआईटी मुंबई सबसे टफ, 2023 में 67 रैंक वालों तक ही मिल पाया था सीएस

टॉप आईआईटीज	कटऑफ (CS)
1. आईआईटी बॉम्बे	67
2. आईआईटी दिल्ली	118
3. आईआईटी मद्रास	148
4. आईआईटी खड़गपुर	279
5. आईआईटी कानपुर	238
6. आईआईटी रुड़की	412
7. आईआईटी गुवाहाटी	645

आईआईटी इंदौर का पिछले तीन साल का कटऑफ

ब्रांच	2021	2022	2023
कम्प्यूटर साइंस	1228	1204	1385
इलेक्ट्रिकल	3725	3828	3632
मैकेनिकल	7240	7509	7474
स्पेस साइंसेस	--	--	7821
मैथेमेटिक्स एंड कम्प्यूटिंग	--	--	2209

एक्सपर्ट : विजित जैन, अवनीश पांडे

हर साल बदलती है मार्किंग स्कीम

एडवांस्ड एकमात्र ऐसा टेस्ट है जिसकी मार्किंग स्कीम पहले जारी नहीं की जाती। इसका पैटर्न लगातार बदलता है। सवालों के जरिए यह जानने की कोशिश की जाती है कि स्टूडेंट सायकोलॉजिकल कितना स्ट्रांग है। इसके साथ ही तीनों सब्जेक्ट में मिनिमम कटऑफ भी जरूरी है। एक विषय में कटऑफ से कम अंक लाने वाले स्टूडेंट अगर बाकी विषय में अच्छे अंक लाते हैं तो भी उन्हें काउंसलिंग में मौका नहीं मिलेगा।